

सुमित्रानंदन पुं. (तत्.) राजा दशरथ की मँझली रानी सुमित्रा के पुत्र लक्ष्मण और शत्रुघ्न।

सुमित्र्य वि. (तत्.) अच्छे मित्रों वाला।

सुमिरण पुं. (तद्.) दे. स्मरण।

सुमिरन पुं. (तद्.) 1. स्मरण, ध्यान 2. नाम-जप।

सुमिरना स.क्रि. (तद्.) 1. स्मरण करना, ध्यान करना 2. जपना।

सुमिरनी स्त्री. (तद्.) दे. सुमरनी।

सुमिराना स.क्रि. (तद्.) सुमिरने में प्रवृत्त करना, ध्यान या नाम-जपने में प्रवृत्त करना।

सुमिरि क्रि.वि. (तद्.) स्मरण, ध्यान या नाम जप करके स.क्रि. स्मरण करना।

सुमिल वि. (तत्.+देश.) 1. जो सरलता से किसी से मिल जाता है 2. सहज स्वाभाविक रूप से मेल-जोल या प्रेम-भाईचारा बढ़ाने वाला 3. मेल-जोल या प्रेम-भाईचारे का संबंध रखने वाला 4. अनुकूलता के साथ सहयोग देने वाला।

सुमीचु स्त्री. (तत्.) उत्तम मृत्यु।

सुमीड़ना स.क्रि. (तत्.) अच्छी तरह से मसलना।

सुमीड़ि क्रि.वि. (तत्.+तद्.) अच्छी तरह से मसलकर।

सुमीत पुं. (तत्.+तद्.) उत्तम मित्र/दोस्त।

सुमुक्त वि. (तत्.) पूरी तरह से मुक्त, पूर्ण मुक्त।

सुमुख वि. (तत्.) 1. सुंदर मुख वाला 2. सुंदर, मनोहर 3. प्रसन्नतादायक 4. अनुकूल 5. दयालु 6. अच्छी नोक वाला (जैसे बाण)।

सुमुखा वि. (तत्.) सुंदर मुख वाली स्त्री सुंदर स्त्री, सुंदरी।

सुमुखि/सुमुखी स्त्री. (तत्.) 1. सुंदर मुख वाली स्त्री 2. सुंदर स्त्री, सुंदरी 3. संगीत में एक प्रकार की मूर्च्छना 4. एक वृत्त जिसके प्रत्येक चरण में 11 अक्षर होते हैं 5. एक अप्सरा 6. शंखपुष्पी।

सुमुद्रित वि. (तत्.) सुंदर-आकर्षक छपा हुआ।

सुमूर्ति पुं. (तत्.) शिव का एक गण।

सुमूल वि. (तत्.) 1. उत्तम मूल वाला 2. लंबी और मजबूत जड़ों वाला 3. सुदृढ़ एवं उत्तम आधार वाला पुं. 1. अच्छा मूल 2. सहिजन।

सुमूलक पुं. (तत्.) गाजर।

सुमूला स्त्री. (तत्.) शालपर्णी, पृश्निपर्णी।

सुमृग पुं. (तत्.) वह वन जहाँ बहुत से जंगली पशु हो।

सुमृत/सुमृति पुं. (तत्.) 1. स्मृति (ग्रंथ) 2. (मनुस्मृति आदि) धर्मशास्त्रीय ग्रंथ।

सुमृति स्त्री. (तत्.) 1. स्मृति (ग्रंथ) 2. धर्मशास्त्र।

सुमेखल पुं. (तत्.) मूँज वि. सुंदर मेखला युक्त।

सुमेड़ी स्त्री. (तत्.) खाट बुनने का बान।

सुमेद्य पुं. (तत्.) रामायण के अनुसार एक पर्वत।

सुमेध वि. (तत्.) दे. सुमेधा।

सुमेधा स्त्री. (तत्.) उत्तम मेधा 1. अच्छी बुद्धि 2. अच्छी धारणा शक्ति।

सुमेध्य वि. (तत्.) अत्यंत पवित्र, बहुत पवित्र।

सुमेर पुं. (तत्.) 1. गंगाजल रखने का पात्र 2. दे. सुमेरु।

सुमेरु पुं. (तत्.) 1. पुराण के अनुसार पृथ्वी का मध्यस्थ पर्वत, स्वर्णगिरि 2. जपमाला के बीच का बड़ा दाना 3. उत्तरी ध्रुव 4. शिव 5. एक वृत्त जिसके प्रत्येक चरण में सत्रह मात्राएँ होती हैं वि. 1. अति सुंदर 2. बहुत ऊँचा।

सुमेरुजा स्त्री. (तत्.) सुमेरु पर्वत से निकलने वाली एक नदी।

सुमेरुज्योति स्त्री. (तत्.) उत्तरी ध्रुव (सुमेरु) के आस-पास के क्षेत्रों में कभी-कभी रात के समय दिखाई देने वाली एक विशेष ज्योति/विद्युत का प्रकाश।

सुमेरु वृत्त पुं. (तत्.) वह वृत्त जो उत्तरी ध्रुव से 23 11 अक्षांश पर स्थित माना गया है।